2

वर्ण-विचार

(Phonology)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

सेब

शेर

कुम्हार

बच्चो! आपने ऊपर दिए चित्रों के नाम– सेब, शेर तथा कुम्हार पढ़े। जब हम इनके नाम बोलते हैं तो हमारे मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं। वे इस प्रकार हैं –

सेब	= स् + ए + ब् + अ	(4 ध्वनियाँ)
शेर	= श् + ए + र् + अ	(4 ध्वनियाँ)
कुम्हार	= क् + उ + म् + ह् + आ + र् + अ	(7 ध्वनियाँ)

इन ध्वनियों के और टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि –

भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।

वर्ण-विच्छेद

विच्छेद का अर्थ है – अलग करना।

शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है; जैसे–

घोड़ा	= घ् + ओ + ड़् + आ	लीची	= ल् + ई + च् + ई
बच्चा	= ब् + अ + च् + च् + आ	ताला	= त् + आ + ल् + आ
मंदिर	= म् + अं + द् + इ + र् + अ	हिरन	= ह् + इ + र् + अ + न् + अ

वर्णमाला

वर्णों के लिखे गए क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्ण के भेद

हिंदी भाषा में वर्ण मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं– स्वर तथा व्यंजन

स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी भाषा में स्वरों की संख्या 11 है। ये निम्न प्रकार हैं–

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ ए ऐ ओ औ

अनुस्वार

'अं' को अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न (ं) है। इसका उच्चारण करते समय वायु नाक द्वारा बाहर आती है। इसका चिह्न वर्ण के ऊपर लगता है; जैसे– कंधा, कंघा, मंदिर, बंदर आदि।

अनुनासिक

'अँ' को अनुनासिक कहते हैं। इसका उच्चारण करते समय हवा नाक तथा मुँह दोनों से निकलती है। इसका चिह्न (ँ) है। इसे चंद्रबिंदु भी कहते हैं। यह वर्ण के ऊपर लगती है; जैसे– साँप, पाँच, दाँत आदि।

विसर्ग

'अः' को विसर्ग कहते हैं। इसका चिह्न (ः) शब्द के बीच में या अंत में लगता है; जैसे– दुःख, नमः, प्रातः आदि।

याद रखिए

- 'अं' तथा 'अः' अयोगवाह कहलाते हैं।

स्वर की मात्राएँ

प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है। इन मात्राओं के लिए कुछ विशेष चिह्न होते हैं।

व्यंजन के साथ लगने वाले स्वर के विशेष चिह्न मात्रा कहलाते हैं।

स्वर एवं उनकी मात्राओं का प्रयोग

जब स्वर तथा व्यंजन आपस में मिलते हैं तो स्वरों के रूप बदल जाते हैं। स्वरों के इसी बदले हुए स्वरूप को मात्रा कहते हैं। हिंदी में केवल 10 स्वरों की मात्राएँ होती हैं। स्वर 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती है। यह व्यंजन में स्वतः ही मिला होता है।

स्वर	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्रा चिह्न	–	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ
शब्द	कल	काल	किला	कील	कुल	कूप	कृषि	केला	कैसा	कोयल	कौआ

विशेष : व्यंजनों के नीचे लगने वाली रेखा (्) को हलंत कहते हैं। इसके लगाने से व्यंजन का आधा रूप माना जाता है।

व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 33 है; जैसे–

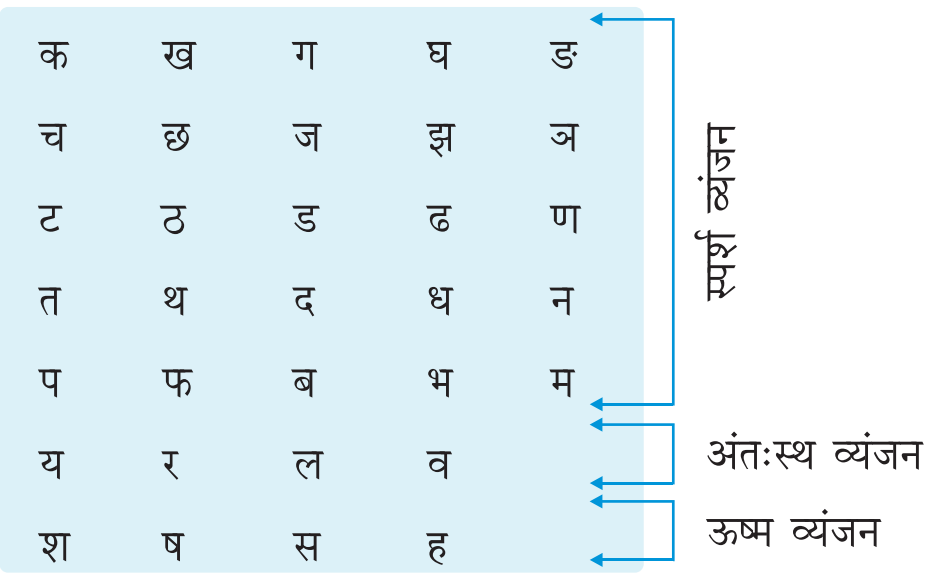

संयुक्त व्यंजन

एक से अधिक वर्णों के मेल से बने वर्ण संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। हिंदी भाषा में मुख्य रूप से संयुक्त व्यंजन 4 हैं; जैसे–

क्ष = क् + ष = क्षमा, क्षत्रिय, कक्षा

त्र = त् + र = त्रिशूल, त्रिभुज

ज्ञ = ज् + ञ = ज्ञान, विज्ञान, यज्ञ

श्र = श् + र = श्री, श्रीमान, श्रम

अतिरिक्त व्यंजन

ड़ तथा ढ़ अतिरिक्त व्यंजन हैं। ये क्रमशः 'ड' तथा 'ढ' व्यंजनों के विकसति रूप हैं। इनका प्रयोग शब्द के प्रारंभ में नहीं होता है। ये सदैव शब्द के बीच में या अंत में आते हैं; जैसे– सड़क, कड़क, तड़क, भड़क, गढ़, पढ़, पढ़ना, चढ़ाई आदि।

आगत वर्ण

हिंदी में कुछ वर्ण विदेशी भाषाओं के मिल गए हैं, जिन्हें आगत वर्ण कहते हैं; जैसे– ऑ, क़, ख़, ग़, ज़ तथा फ़।

'र' के विभिन्न प्रयोग

'र' वर्ण पर 'उ' तथा 'ऊ' की मात्राएँ उसके पेट में लगती हैं; जैसे–

र् + उ = रु – रुपया, अरुण, वरुण

र् + ऊ = रू – रूप, रूस, शुरू

'र' का प्रयोग कई रूपों में होता है; जैसे–

र – रथ, रमन, रगड़, रसीला आदि।

र् – गर्व, शर्म, कर्म, धर्म आदि।

र् – क्रम, प्रथम, ग्रह, ब्रश आदि।

र् – ड्रम, ड्रामा, ट्रक, ट्रेन आदि।

आओ दोहराएँ

- वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है।
- वर्ण को अक्षर भी कहते हैं।
- हिंदी भाषा में कुछ अन्य वर्ण भी हैं– अयोगवाह, अतिरिक्त वर्ण, संयुक्त व्यंजन तथा आगत वर्ण।
- निश्चित क्रम में लिखे गए वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।
- स्वर के बदले हुए स्वरूप को मात्रा कहते हैं।
- 'र' का प्रयोग कई रूपों में होता है।

अब बताइए

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. हिंदी में स्वर होते हैं–

   (i) ग्यारह ☐ (ii) बारह ☐ (iii) तेरह ☐

2. इनमें स्वर वर्ण है–

   (i) अं ☐ (ii) अ ☐ (iii) अँ ☐

3. इनमें विकसित ध्वनि है–

   (i) ड़ ☐ (ii) ढ़ ☐ (iii) ये दोनों ☐

4. विदेशी भाषा से आए वर्णों को कहते हैं–

   (i) आगत ☐ (ii) संयुक्त ☐ (iii) अतिरिक्त ☐

5. इनमें किस स्वर की मात्रा नहीं होती है?

   (i) आ ☐ (ii) अ ☐ (iii) ई ☐

6. स्वर वर्णों की सहायता से बोले जाते हैं–

   (i) स्वर ☐ (ii) आगत वर्ण ☐ (iii) व्यंजन ☐

(ख) दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

हल, ग्यारह, ऊष्म, व्यंजन, अंतःस्थ

1. हिंदी वर्णमाला में ..... स्वर तथा तैंतीस ..... होते हैं।
2. श, ष, स, ह ..... व्यंजन हैं।
3. य, र, ल, व ..... व्यंजन हैं।
4. व्यंजनों के नीचे लगने वाली तिरछी रेखा को ..... कहते हैं।

(ग) सत्य कथन पर (✓) तथा असत्य पर (✗) लगाइए–

1. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं। ☐
2. वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं। ☐
3. क, ख, ग को ऊष्म व्यंजन कहते हैं। ☐
4. क, ख, ग अतिरिक्त व्यंजन हैं। ☐

(घ) निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–

1. क, ख, ग, घ	(i) संयुक्त व्यंजन
2. य, र, ल, व	(ii) स्पर्श व्यंजन
3. श, ष, स, ह	(iii) अंतःस्थ व्यंजन
4. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र	(iv) ऊष्म व्यंजन

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. वर्ण किसे कहते हैं?
2. स्वर किसे कहते हैं?
3. मात्रा किसे कहते हैं?
4. संयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं?

(च) निम्नलिखित शब्दों के वर्ण तथा मात्राएँ अलग-अलग करके लिखिए–

1. सौर्या – .....
2. सुषमा– .....
3. दोहा – .....
4. मेरठ– .....

(छ) नीचे दिए गए चित्रों के नाम मात्रा लगाकर पूर कीजिए–

बाल – .....

दात – .....

टेन – .....

टक – .....